## राः त्व विभाग

## युद्ध जागर पुरूसकार

## दिनांक 24 अप्रैल, 1991

कमांक 829-ज-I-91/8543.—श्री घीसा राम पुत्र श्री भाव सिंह, निवासी गांव जमालपुर, तहसील गुड़गावां, जिला गुड़गावां को पूर्वी पंजाव युद्ध पुरस्कार ग्रिधिनियम, 948 की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के ग्रिधीन सरकार की ग्रिधिसूचना कमांक 3089-ज-2-77/3242 दिनांक 1 ए विरी, 1978 द्वारा 150 रुपये ग्रीर उसके बाद ग्रिधिसूचना कमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 ग्रक्तूवर, 1: 79 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. प्रव श्री घीसा राम की दिनांक 28 ग्राप्त 1989 को हुई मृत्यू के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल उपरोक्त श्रीधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में पनाया गया है ग्रीर उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के ग्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करत हुए, इस जागीर को श्री घीसा राम की विधया श्रीमती बतन देवी के नाम खरीफ, 1989 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतों के ग्रन्तगंत तबदील करते हैं।

कमांक 985-ज-I-91/8547.—श्री बाला म, पुत श्री श्योलाल, निवासी गांव भाण्डवा, तहसील दादरी, जिला भिवानी को पूर्वी पंजाव युद्ध पुरस्कार श्रिविनयम, 1948 की धारा 2(v) (1v) तथा 3(1v) के श्रिवीन सरकार की श्रिविस् जना कमांक 149-ज(II)85/7393, दिनांक । मार्च, 1985 द्वारा 150 रुपए श्रीर उसके बाद्य श्रिविस् जना कमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 श्रक्तूबर 1979 द्वारा 150 रुपए से बढ़ाकर 300 रुपए वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. श्रव श्री बाला राम की दिनांक 25 जनवरी, 1990 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरिया । राज्य में अपनाया गया है श्रीर उसमें श्राज तक संशोधन किया गया है ) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शिक हों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री बाला राम की विधवा श्रीमती चिडिया देवी के नाम खरीफ, 1991 से 301 रुपए वार्षिक की दर से, सनद में दी गई शर्तों के श्रन्तगंत तबदील करते हैं।

## दिन ह 3 मई, 1991

क्रमांक 827-ज- [-91/8773. - श्री गणपत सह, पुत्र श्री नत्यू राम, निवासी गांव खवासपुर, तहसील गुड़गावां, जिला गुड़गावां को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रीधि गम, 1948 की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के श्रधीन सरकार की श्रीधसचना क्रमांक 3043-जे॰ एन -3-66/55: दिनांक 1 श्रिप्रेल, 1966 द्वारा 150 रुपए श्रीर उसके वाद श्रीधसूचना क्रमांका 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 श्रव बर, 1979 द्वारा 150 रुपए से बढ़ाकर 300 रुपए वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. ग्रब श्री गणपत सिंह की दिनांक 22 जनवरी, 1990 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल उपरोक्त ग्रिधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रपनाया गया है और उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के ग्रिधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री गणपत सिंह की विधवा श्रीमती श्रनारों वेवी के नाम खरीफ, 1990 से 300 रुपए वाष्टिक ो दर से, सनद में दी गई शर्तों के श्रन्तगंत तबदील करते हैं।

ग्रार॰एल॰ चावला, ग्रवर सचिव, हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग।